महाकुंभ विशेषांक (द्वितीय)
www.railsamacharbureauald.com
सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

वर्ष-35 अंक-03 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01-15 फरवरी 2025 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

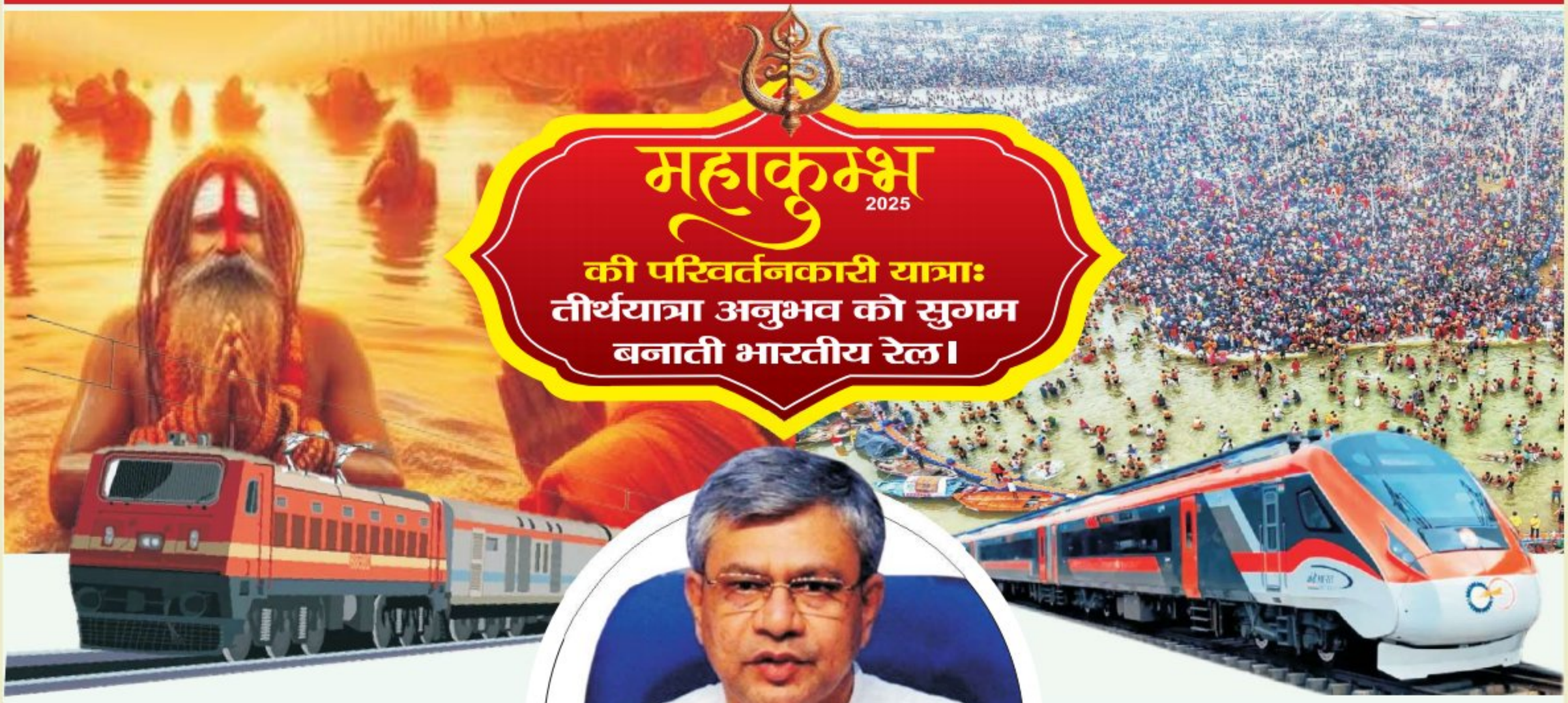

महाकुंभ 2025 में लाखों तीर्थयात्रियों को पवित्र नगरी प्रयागराज पहुंचाने में भारतीय रेलवे ने अपनी भूमिका को एक नए स्तर पर पहुंचाया है। रेलवे न केवल परिवहन प्रदान कर रही है, बल्कि विश्वस्तरीय आतिथ्य सेवा भी सफलता से संचालित कर रही है। इस अवसर पर रेलवे ने उन्नत बुनियादी ढांचे, अभिनव समाधानों और समावेशिता की प्रतिबद्धता के साथ प्रचालन तंत्र के नए मानक स्थापित किए हैं। भारत सरकार ने पिछले एक दशक में प्रयागराज में रेलवे के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश किया है। महाकुंभ की तैयारियों के लिए भारतीय रेलवे ने 2 वर्षों में 5000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि निवेश की, जिससे रेलवे स्टेशनों को अधिक सुविधाजनक और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करने योग्य बना दिया गया है। पहले केवल यात्रा और ठहराव का स्थान माने जाने वाले रेलवे स्टेशनों को अब तीर्थयात्रियों के स्वागत के केंद्र में बदल दिया गया है। स्लीपिंग पॉड्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज और रिटायरिंग रूम जैसी सुविधाओं ने यात्रियों के अनुभव को आरामदायक बना दिया है। महाकुंभ के दौरान एक करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की संभावना को देखते हुए, भारतीय रेलवे ने 17 नए यात्री आश्रय गृहों का निर्माण किया और प्लेटफॉर्मों की संख्या बढ़ाकर 48 कर दी। इसके अतिरिक्त, शौचालय, पेयजल, बेबी फीडिंग पॉड्स और चिकित्सा जांच कक्ष जैसी उन्नत सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। समावेशी दृष्टिकोण के तहत दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए लिफ्ट, एस्केलेटर, व्हीलचेयर सेवा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस तरह भारतीय रेलवे ने महाकुंभ 2025 के दौरान अपने सेवा और सुविधाओं से एक नया मानक स्थापित किया है, जिससे तीर्थयात्रियों का अनुभव उन्नत और सुखद बन गया है।

मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज से भारतीय रेलवे ने 364 ट्रेनों का संचालन कियाः रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

सुरक्षित एवं सुगम यात्रा के लिए प्रशासन के निर्देशों का पालन करें: श्री वैष्णव

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने मौनी अमावस्या के दिन संगम में पवित्र स्नान कर घर लौट रहे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रयागराज के विभिन्न स्टेशनों से 364 आउटवर्ड ट्रेनों का संचालन किया। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान एक दिन में चलाई गई ट्रेनों का यह नया रिकॉर्ड है। इसके साथ ही इस दौरान रेलवे द्वारा 77 इनवर्ड ट्रेनों का भी संचालन किया गया। आउटवर्ड ट्रेनों में 142 नियमित और 222 महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं। नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मौनी अमावस्या के दिन 364 ट्रेनें प्रयागराज से चलाई गईं। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम रेल भवन स्थित वॉर रूम से पूरी स्थिति पर रियल टाइम नजर रख रही है। राज्य सरकार के साथ लगातार समन्वय में ट्रेनें चलाई जा रही हैं। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ और तीनों रेलवे जोन के जीएम मेला प्रशासन और राज्य सरकार के संपर्क में हैं ताकि श्रद्धालुओं को उनके घरों तक सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि वे प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। रेलवे ने यात्रियों के लिए बड़े होल्डिंग क्षेत्र बनाए हैं जहां वे बैठकर ट्रेन का इंतजार कर सकते हैं। इसके बाद उन्हें प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार रेलवे स्टेशन की ओर रवाना होना होगा। मौनी अमावस्या पर उत्तर मध्य रेलवे ने आने-जाने वाली कुल 280 ट्रेनों का संचालन किया, जबकि पूर्वोत्तर रेलवे ने 73 ट्रेनों और उत्तर रेलवे ने 88 ट्रेनों का संचालन किया। उत्तर मध्य रेलवे ने सबसे अधिक 157 महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया। उत्तर रेलवे ने 28 और पूर्वोत्तर रेलवे ने 37 ट्रेनों का संचालन किया। श्रद्धालुओं की सुरक्षित और आरामदायक घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे आज 360 विशेष ट्रेनों का संचालन कर रहा है। पूरे मेला अवधि के दौरान रेलवे ने करीब 13,450 ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई है, जिसमें 10,028 नियमित ट्रेनें और 3400 से अधिक विशेष ट्रेनें शामिल हैं। अब तक 1900 से अधिक विशेष ट्रेनें संचालित की जा चुकी हैं। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि सभी ट्रेनें योजना के अनुसार ही संचालित की जा रही हैं। पूर्व में दी गई सूचना के आलोक में कुछ ट्रेनों का मार्ग बदलकर चलाया जा रहा है जबकि कुछ ट्रेनों का टर्मिनल स्टेशन प्रयागराज की जगह सूबेदारगंज कर दिया गया है।

माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेल पर मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी के लिए सर्वश्रेष्ठ सरकारी विभाग के लिए सर्वश्रेष्ठ चुनावी अभ्यास पुरस्कार 2024-25 प्रदान किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेलवे में मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी के लिए सर्वश्रेष्ठ सरकारी विभाग में सर्वश्रेष्ठ चुनावी अभ्यास पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया। यह पुरस्कार रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ श्री सतीश कुमार ने प्राप्त किया। भारतीय रेल को अपने बुनियादी ढांचे का सर्वोत्तम उपयोग करने और देश भर में मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए भारत के चुनाव आयोग के साथ साझेदारी के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह मान्यता लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय रेल की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है, जहां इसने मतदाता जागरूकता और लॉजिस्टिक समर्थन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने और चुनावों में नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, भारतीय रेल ने, भारत के चुनाव आयोग के सहयोग से, मतदाता हेल्पलाइन विवरण प्रसारित करने के लिए स्टेशनों, आधिकारिक वेबसाइटों और मोबाइल एप्लिकेशन पर अपने रेल डिस्प्ले नेटवर्क (आरडीएन) का लाभ उठाया। रेलवे स्टेशनों पर पहले से रिकॉर्ड की गई घोषणाएं भी की गई। इसके अतिरिक्त, युवाओं को चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करने और संलग्न करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के समन्वय से कश्मीर घाटी में विशेष ट्रेन, स्वीप एक्सप्रेस संचालित की गई थी। #ChunavKaParv और #DeshKaGarv जैसे हैशटैग के साथ सोशल मीडिया अभियानों ने भागीदारी को बढ़ावा दिया। रेलवे ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए देश भर में 383 ट्रेनों के माध्यम से 3,74,000 से अधिक अर्ध-सैन्य कर्मियों के सुरक्षित और निर्बाध परिवहन की सुविधा भी प्रदान की। भारतीय रेल ने राष्ट्र के लोकतंत्र को आकार देने में मतदान के महत्व पर जोर देते हुए नागरिक भागीदारी को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया।

भारतीय रेलवे की महत्वपूर्ण उपलब्धि

130 किमी प्रति घंटे की गति के लिए 23,000 किलोमीटर से अधिक ट्रैक को उन्नत किया गया

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने 130 किलोमीटर प्रति घंटे (किमी प्रति घंटे) तक की ट्रेन गति को संभालने के लिए भारतीय रेलवे नेटवर्क के 23,000 से अधिक ट्रैक किलोमीटर (टीकेएम) को अपग्रेड करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उल्लेखनीय प्रगति रेलवे के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, कनेक्टिविटी में सुधार और देश भर में लाखों यात्रियों के लिए यात्रा के समय को कम करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। भारत के रेलवे नेटवर्क का लगभग पाँचवाँ हिस्सा अब उच्च गति के लिए सुसज्जित है, ये प्रगति आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम और रणनीतिक बाड़ लगाने जैसे मजबूत सुरक्षा उपायों से संभव हुई है, यह ट्रेन यात्रा में दक्षता और विश्वसनीयता के एक नए युग की शुरुआत दिखाती है। ट्रैक इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण में व्यापक उन्नयन शामिल है, जिसमें उच्च गति के संचालन के लिए स्थिरता और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए पटरियों को मजबूत करना, सटीक संचार और सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए उन्नत सिग्नलिंग सिस्टम का कार्यान्वयन और सुरक्षा बढ़ाने और जोखिमों को कम करने के लिए कमजोर स्थानों पर बाड़ लगाने जैसे सुरक्षा उपायों की स्थापना शामिल है। ये प्रयास भारतीय रेलवे के के लक्ष्य सुरक्षित और कुशल रेलवे नेटवर्क को बढ़ावा देने के अनुरूप है, जो यात्री और माल ढुलाई दोनों की जरूरतों को पूरा करता है। उन्नयन में स्वर्णिम चतुर्भुज और स्वर्णिम विकर्ण नेटवर्क के खंड प्रमुख रूप से शामिल हैं, जो देश के प्रमुख शहरों को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण गलियारे हैं। ये मार्ग, जिससे भारत का यात्री और माल यातायात का महत्तवपूर्ण हिस्सा संचालित होता है, तेज पारगमन और बेहतर रसद को सुनिश्चित करते हुए अब उच्च गति को संभालने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 54,337 टीकेएम पटरियों को 110 किमी प्रति घंटे तक की गति का समर्थन करने के लिए अपग्रेड किया गया है । यह व्यवस्थित वृद्धि विभिन्न क्षेत्रों में निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती है और भारतीय रेलवे की समग्र परिचालन दक्षता को बढ़ाती है। भारतीय रेलवे की प्रमुख सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन, वंदे भारत एक्सप्रेस, इन बुनियादी ढाँचे में सुधार की सफलता का उदाहरण है। 160 किमी प्रति घंटे तक की गति प्राप्त करने में सक्षम, वंदे भारत एक्सप्रेस भारतीय रेल यात्रा में एक नए युग का प्रतीक है, जो यात्रियों को तेज, अधिक आरामदायक और प्रीमियम यात्रा का अनुभव प्रदान करती है। ऐसी गति को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए, भारतीय रेलवे ने हाई-स्पीड ट्रैक सेक्शन के साथ सुरक्षा बाड़ लगाने को प्राथमिकता दी है। ये उपाय न केवल ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हैं बल्कि दुर्घटनाओं के जोखिम को भी कम करते हैं। पिछले वर्ष की तुलना में, पीक डिमांड की अवधि के दौरान विशेष ट्रेन सेवाओं में 54% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 57,169 सेवाओं तक पहुँच गई ।

पहलू	विवरण
राजस्व में वृद्धि	चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल से दिसंबर के बीच आय में 4% की वृद्धि हुई है, जिससे माल ढुलाई से 1.26 लाख करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। यात्री खंड की आय में 6% की वृद्धि हुई है, जो 55,988 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।
उच्चतर पूंजीगत व्यय	2024-25 में 2% अधिक पूंजीगत व्यय, जहां चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पूंजी निवेश बढ़कर 1.92 लाख करोड़ रुपए हो गया, यह बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
उन्नत माल दक्षता	जनवरी 24 से नवम्बर 24 की अवधि के दौरान भारतीय ढुलाई रेलवे पर राजस्व अर्जित करने वाली माल ढुलाई 1473.05 मीट्रिक टन रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3-86% की वृद्धि दर्ज करती है ।

भारतीय रेलवे का चल रहा आधुनिकीकरण अभियान ट्रैक अपग्रेड से कहीं आगे तक फैला हुआ है। अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भारतीय रेलवे एक परिवर्तनकारी यात्रा अनुभव के लिए मंच तैयार कर रहा है। इन पहलों का उद्देश्य ट्रेन सेवाओं की विश्वसनीयता और दक्षता में सुधार करना, माल और यात्रियों की तेज आवाजाही को सक्षम करके आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और आबादी की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने वाली एक समावेशी और सुलभ रेलवे प्रणाली सुनिश्चित करना है। इन उन्नयनों के सफलतापूर्वक पूरा होने के साथ, भारतीय रेलवे गति, सुरक्षा और सेवा में नए मानक स्थापित कर रहा है। ये प्रयास न केवल लाखों यात्रियों के लिए यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाते हैं, बल्कि राष्ट्र की जीवन रेखा के रूप में भारतीय रेलवे की भूमिका की भी पुष्टि करते हैं। आधुनिकीकरण की यात्रा में आगे बढ़ने के साथ ही भारतीय रेलवे प्रगति और नवाचार का प्रतीक बन रही है, जो भारत को एक उज्जवल और अधिक परस्पर जुड़े भविष्य की ओर ले जा रही है। यह प्रगति संगठन की देश के विकास में सहायक और अपने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाली रेलवे नेटवर्क के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सुरक्षा के लिए सशक्तीकरण – रेलवे में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण के प्रतिमानों की एक परिवर्तनकारी यात्रा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे, महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर परिवर्तनकारी प्रयास कर रहा है। महिलाओं के लिए सुरक्षित गतिशीलता का तात्पर्य न केवल उनकी यात्रा को सुरक्षित बनाना है, बल्कि यह उनके सामाजिक, आर्थिक और व्यक्तिगत सशक्तिकरण के अवसर भी प्रदान करता है। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जो महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं।

ऑपरेशन मेरी सहेली

- 2020 में शुरू हुआ यह पहल विशेष रूप से अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए है।
- RPF की 230 टीमें महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं, यात्रा के दौरान लगातार संपर्क में रहती हैं।

महिला सुरक्षा दल

- शक्ति और दुर्गा वाहिनी टीमें विशेष रूप से महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए बनाई गई हैं। ये टीमें प्लेटफार्मों और ट्रेनों में गश्त करती हैं।

ऑपरेशन AAHT (मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई)

- मानव तस्करी पर कड़ी नजर रखते हुए, 2023 में RPF ने 3,973 लड़कियों को बचाया और कई तस्करी नेटवर्कों को नष्ट किया।

प्रौद्योगिकी-संचालित सुरक्षा

- भविष्य में RPF, एआई-संचालित निगरानी, लाइव ट्रैकिंग और मोबाइल सुरक्षा एप्लिकेशन के जरिए महिला सुरक्षा को और भी मजबूत बनाने का प्रयास करेगा।

इन पहलों के माध्यम से भारतीय रेलवे महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है, जो न केवल महिला यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करता है, बल्कि उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देता है।

भारत भर के सरकारी कर्मचारियों के लिए एलटीसी यात्रा आसान हुई

सरकारी कर्मचारी अब लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) के अंतर्गत 136 वंदे भारत, 8 तेजस और 97 हमसफर एक्सप्रेस ट्रेनों सहित 385 प्रीमियम ट्रेनों में विश्व स्तरीय यात्रा का आनंद ले सकते हैं

सूत्र/रे.स.ब्यू- सभी स्तरों के सरकारी कर्मचारी अब अत्याधुनिक वंदे भारत, तेजस और हमसफर एक्सप्रेस में विश्व स्तरीय यात्रा का अनुभव प्राप्त करते हुए अपने लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) का लाभ उठा सकते हैं। भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने विभिन्न विभागों के विभिन्न अनुरोधों पर विचार करने के बाद इन विश्व स्तरीय ट्रेनों में गृहनगर के साथ-साथ भारत में कहीं भी एलटीसी उद्देश्य से रेल यात्रा की अनुमति दी है।

सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए विलासितापूर्ण यात्रा

इस निर्णय के साथ, केन्द्र सरकार के सभी कर्मचारी अब अपने लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) का उपयोग करते हुए 241 अतिरिक्त ट्रेनों की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। अब वे 136 वंदे भारत, 97 हमसफर और 8 तेजस एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्र कर सकते हैं। सरकारी कर्मचारी पहले से ही राजधानी, शताब्दी और दुरंतो श्रृंखला की श्रेणी में 144 मौजूदा हाई-एंड ट्रेनों में शानदार एसी यात्रा का लाभ उठा रहे हैं। इस निर्णय के साथ, देश के सभी क्षेत्रें में कुल 385 ट्रेनें होंगी जहाँ वे चल रही हैं, जिनमें सरकारी कर्मचारियों द्वारा एलटीसी यात्रा के लिए टिकट बुक किए जा सकते हैं। वंदे भारत, तेजस और शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों में छोटी और मध्यम दूरी की रेल यात्रा में, कर्मचारी लेवल 11 तक की चेयर कार यात्रा का लाभ उठा सकते हैं। लेवल 12 और उससे ऊपर के कर्मचारी इन ट्रेनों में एग्जीक्यूटिव चेयर कार यात्रा के हकदार हैं। लंबी दूरी की यात्रा के लिए, जहाँ कोच में बर्थ होती है, जैसे राजधानी जैसी आलीशान ट्रेनें, लेवल 12 और उससे ऊपर के कर्मचारी एसी 2 क्लास में यात्रा कर सकते हैं। लेवल 6 से 11 तक, कर्मचारी एसी 2 क्लास में यात्रा कर सकते हैं, जबकि अन्य सभी यानी लेवल 5 और उससे नीचे के कर्मचारी अपने एलटीसी के दौरान एसी 3 क्लास में यात्रा कर सकते हैं।

एलटीसीः सरकारी कर्मचारियों के लिए भारत घूमने के लिए रियायती यात्रा

एलटीसी (लीव ट्रैवल कंसेशन) सरकारी कर्मचारियों को दी जाने वाली रियायती यात्रा सुविधा है, जो उन्हें चार साल के ब्लॉक के दौरान अपने गृहनगर या भारत में किसी भी स्थान पर जाने की अनुमति देती है। कर्मचारी दो साल के ब्लॉक में दो बार गृहनगर एलटीसी का लाभ उठा सकते हैं, या वे चार साल के ब्लॉक के दौरान एक बार अपने गृहनगर और एक बार भारत में किसी भी सीन पर जाने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।

भारतीय रेल की नई रूपरेखा – सार्वजनिक संवाद में रेलवे सुरक्षा बल का डिजिटल कदम।

सूत्र/रे.स.ब्यू- डिजिटल युग में, सोशल मीडिया न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव, भागीदारी शासन और जन उत्तरदायित्व का शक्तिशाली साधन बन चुका है। रेलवे सुरक्षा बल (RPF), जो भारतीय रेलवे के विशाल नेटवर्क पर 02 करोड़ से अधिक यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, के लिए सोशल मीडिया एक रणनीतिक मंच है।

सोशल मीडिया के उपयोग से संवाद और पारदर्शिता

आरपीएफ ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, और यूट्यूब जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग यात्रियों के साथ संवाद, शिकायतों का समाधान, और महत्वपूर्ण अपडेट प्रदान करने के लिए करता है। यह रीयल-टाइम, दो-तरफा संवाद से नागरिकों और प्राधिकरण के बीच मनोवैज्ञानिक दूरी को कम करता है।

महिलाओं और बच्चों के लिए डिजिटल पहुंच

सोशल मीडिया विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों जैसे असुरक्षित समूहों के लिए एक जीवन रेखा साबित हो रहा है। आरपीएफ द्वारा संकट संकेतों का त्वरित जवाब और सक्रिय आउटरीच, डिजिटल पुलिसिंग की प्रभावी क्रियावली को दर्शाता है।

जागरूकता अभियान और अभियानों का विस्तार

सोशल मीडिया के माध्यम से आरपीएफ अपने अभियानों को अधिक लोगों तक पहुंचाता है, जैसे 'ऑपरेशन मेरी सहेली' (महिलाओं की सुरक्षा) और 'ऑपरेशन AAHT' (मानव तस्करी)। इन अभियानों में इमोटिव स्टोरीटेलिंग और व्यवहारात्मक डिजाइन का उपयोग किया जाता है ताकि जनता को जागरूक किया जा सके और उन्हें भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया जा सके।

सुरक्षा और अपराध रोकथाम में सोशल मीडिया का योगदान

आरपीएफ सोशल मीडिया का उपयोग खतरों, ट्रेन व्यवधानों, और सुरक्षा से संबंधित लाइव अपडेट्स देने के लिए करता है। इसके अलावा, सोशल मीडिया इंटेलिजेंस टूल्स के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों और सुरक्षा चिंताओं की निगरानी की जाती है।

डिजिटल साक्षरता और समावेशन

आरपीएफ डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देता है, ताकि सभी वर्गों तक जानकारी पहुंच सके। रेलमदद ऐप, हेल्पलाइन नंबर और ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को सहायता दी जाती है।

लैंगिक समावेशिता

आरपीएफ की सोशल मीडिया रणनीति लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देती है। महिला अधिकारियों की भूमिका को उजागर करके, यह परंपरागत मान्यताओं को चुनौती देती है और महिलाओं को कानून प्रवर्तन में करियर बनाने के लिए प्रेरित करती है।

भविष्य की योजना

आरपीएफ भविष्य में AI-चालित अंतर्दृष्टि, आभासी कहानी कहने के अनुभव, और क्षेत्रीय भाषाओं में सामग्री का विस्तार करने की योजना बना रहा है। इन पहलों से सार्वजनिक सुरक्षा को और प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया जाएगा। सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग आरपीएफ को सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करता है और समावेशी, सुरक्षित भविष्य की दिशा में काम कर रहा है। इसका उद्देश्य केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और विश्वास का निर्माण करना है।

भव्य ड्रोन शो ने श्रद्धालुओं का मन मोह लियाः

समुद्र मंथन और देवताओं को अमृत कलश पीते हुए दर्शाया गया

आसमान में लहराता तिरंगा - ड्रोन शो का मुख्य आकर्षण विधान सभा भवन पर लहराता हुआ तिरंगा था। यह दृश्य देशभक्ति और गर्व से भरा हुआ था। इस ड्रोन शो के माध्यम से महाकुंभ के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को खूबसूरती से दिखाया गया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा एक भव्य ड्रोन शो का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों ड्रोन आसमान में जीवंत ओंतियाँ बनाते नजर आए। समुद्र मंथन और देवताओं द्वारा अमृत कलश पीने के दिव्य दृश्य को देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। उत्तर प्रदेश दिवस पर राज्य की सांस्कृतिक झांकी ने शो की भव्यता में चार चाँद लगा दिए। ड्रोन प्रदर्शनके दौरान आसमान में महाकुंभ और उत्तर प्रदेश सरकार के लोगो को भी खूबसूरती से दर्शाया गया जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। शंख बजाते साधु-संतों और संगम में स्नान करते तपस्वियों की तस्वीरें भी काफी मनमोहक थीं।

संपादकीय

महाकुंभ में अफवाहों से बचें, सतर्क रहें

महाकुंभ आस्था, श्रद्धा और भक्ति का महासंगम है, जहां देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु संगम स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने आते हैं। ऐसे विशाल आयोजन में सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन के साथ-साथ प्रत्येक श्रद्धालु की भी है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अफवाहों से बचना और सतर्क रहना बेहद आवश्यक है। कुंभ क्षेत्र, रेलवे स्टेशन या ट्रेन में किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि को नजरअंदाज न करें। यदि कोई लावारिस सामान या कोई व्यक्ति संदिग्ध प्रतीत हो तो तुरंत पुलिस या प्रशासन को सूचित करें। छोटी-सी लापरवाही बड़ा खतरा बन सकती है। इसी तरह, किसी भी अफवाह को फैलाने या उस पर विश्वास करने से बचें। सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि किए किसी भी संदेश को साझा न करें। प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, लेकिन सतर्कता और जागरूकता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। सभी श्रद्धालुओं से अपील है कि सुरक्षा निर्देशों का पालन करें, शांति बनाए रखें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन की सहायता लें। महाकुंभ का यह पावन अवसर संयम, श्रद्धा और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो, यही हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

"रेल की पटरियों पर दौड़ती ट्रेनें, श्रद्धालुओं की आस्था को महाकुंभ तक पहुंचाने का संकल्प निभाती हैं।"

देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी महाकुंभ में इंटर्नशिप कार्यक्रम में ले रहे हिस्सा

महाकुंभ की समरसता, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व का करेंगे अध्ययन

सूत्र/रे.स.ब्यू- देश भर के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से आए विद्यार्थी प्रयागराज महाकुंभ के विशाल परिसर में आयोजित इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। यह अनूठा कार्यक्रम महाकुंभ की समरसता, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय महत्व को समझने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। सोमवार को महाकुंभ नगर में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। सरकार के प्रयासों से महाकुंभ नगरी में स्थापित किए गए इंटर्नशिप केंद्रों पर विद्यार्थी प्रबंधन के कौशल सीखने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं को भी करीब से समझने का प्रयास कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में देश के अलग-अलग संस्थानों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए हैं, जो अपने अनुभवों और ज्ञान को साझा कर रहे हैं।

महाकुंभ के महत्व का अध्ययन

विद्यार्थियों को महाकुंभ के सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहलुओं का गहन अध्ययन करने का अवसर मिल रहा है। महाकुंभ, जो विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है, समर्पण, श्रद्धा और एकता का प्रतीक है। इस इंटर्नशिप के दौरान छात्र-छात्राएं आयोजन की समग्र व्यवस्था, पर्यावरणीय संरक्षण, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा प्रबंधन और सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का अवलोकन कर रहे हैं।

संस्कृति और पर्यावरण पर विशेष ध्यान

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को न केवल प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक और परंपराओं को जानने का अवसर मिल रहा है, बल्कि पर्यावरणीय चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। महाकुंभ क्षेत्र में गंगा और उसकी सहायक नदियों की निर्मलता बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों को विद्यार्थी नजदीक से देख रहे हैं। कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को यह सिखाया जा रहा है कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और हरित उपायों के महत्व को समझाने के लिए विशेष कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जा रहा है।

इंटर्नशिप के माध्यम से युवाओं को मिल रहा व्यावहारिक ज्ञान

महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन में भाग लेने के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रबंधन के व्यावहारिक गुर सिखाए जा रहे हैं। इसमें भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियां, तकनीकी सहायता का उपयोग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समुचित आयोजन शामिल है। विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों और प्रशासनिक इकाइयों के साथ मिलकर कार्य करने का अनुभव हो रहा है।

राष्ट्रीय एकता और समरसता का अनुभव

महाकुंभ में भाग लेने वाले विद्यार्थी विभिन्न राज्यों और भाषाओं से आते हैं, जो राष्ट्रीय एकता और समरसता का संदेश देता है।
दिल्ली विश्वविद्यालय की कीर्तिका महावर ने बताया
''यह न केवल हमारे शैक्षणिक विकास के लिए बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी एक अद्वितीय अनुभव है। हमें यहां प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक को समझने और उसका हिस्सा बनने का अवसर मिला है।''

महाकुंभ के आयोजकों का दृष्टिकोण

महाकुंभ आयोजन समिति के एक अधिकारी ने कहा, ''यह इंटर्नशिप कार्यक्रम न केवल युवाओं को महाकुंभ के महत्व को समझने का अवसर प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और परंपराओं से भी जोड़ रहा है। हमारा उद्देश्य है कि ये युवा महाकुंभ की भव्यता और समरसता को आत्मसात करें और इसे अन्य लोगों तक पहुंचाएं।''

आगे की योजना

इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी विभिन्न शोध परियोजनाओं पर भी काम करेंगे। महाकुंभ के सांस्कृतिक और पर्यावरणीय प्रभावों का दस्तावेजीकरण करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही, उनके अनुभवों और सुझावों का उपयोग भविष्य में ऐसे आयोजनों की योजना बनाने में किया जाएगा।

विद्यार्थियों के उत्साह से परिपूर्ण माहौल

महाकुंभ नगरी में इस समय विद्यार्थियों के उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम में भाग ले रहे एक अन्य छात्र ने कहा, ''यह हमारे लिए एक दुर्लभ अवसर है। हमने किताबों में महाकुंभ के बारे में पढ़ा था, लेकिन इसे प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करना अविस्मरणीय है। हम यहां प्रबंधन से लेकर सांस्कृतिक अध्ययन तक बहुत कुछ सीख रहे हैं।'' महाकुंभ नगर में यह इंटर्नशिप कार्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल भारतीय सांस्कृतिक और पर्यावरणीय स्थिरता के महत्व को समझने का अवसर प्रदान कर रहा है, बल्कि उनके शैक्षणिक और पेशेवर कौशल को भी बढ़ा रहा है। इस तरह के प्रयास भविष्य में भी युवाओं को जागरूक और सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

महाकुंभ 2025: प्रयागराज में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी ज्ञानवर्धक

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज के त्रिवेणी मार्ग पर महाकुंभ के अवसर पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय की आकर्षक डिजिटल प्रदर्शनी में जनता को भारत के नए आपराधिक कानूनों-भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023, और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 का विस्तृत और सरल विवरण प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा, प्रदर्शनी में एनामॉर्फिक दीवारों, एलईडी टीवी स्क्रीन, एलईडी दीवारों और होलोग्राफिक सिलेंडरों के माध्यम से भारत सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, नई नीतियों, कानूनों और भारतीय संविधान के बारे में जानकारी दी जा रही है। इसमें ऑडियो-विजुअल मीडिया के माध्यम से बताया गया है कि नए कानून न्याय और निष्पक्षता पर आधारित हैं, तथा न्याय और नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए कानूनी ढांचे में प्रौद्योगिकी को एकीकृत किया गया है। नए कानून भारत की न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी, कुशल और आधुनिक समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए बनाए गए हैं। ये तीन नए कानून भारत की न्याय प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो साइबर अपराध और संगठित अपराध जैसी समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए एक नया ढांचा पेश करते हैं, साथ ही पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करते हैं।

महाकुम्भ में खोए हुए परिजनों को अपनों से मिला रहा खोया-पाया केंद्र, एआई तकनीक साबित हो रही वरदान

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज महाकुम्भ में सरकार द्वारा एआई तकनीक के माध्यम से स्थापित डिजिटल महाकुम्भ खोया-पाया केंद्र ने एक बार फिर अपनी दक्षता और मानवता के प्रति समर्पण को साबित किया है। आधुनिक तकनीक, एआई और समर्पित प्रशासनिक प्रयासों के माध्यम से खोए हुए बच्चों और उनके परिवारों का पुनर्मिलन तेजी और सटीकता के साथ किया जा रहा है। डिजिटल महाकुम्भ खोया-पाया केंद्र सरकार के कुशल प्रशासन और आधुनिक तकनीक के उपयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। पूरे मेला क्षेत्र में कुल 10 खोया पाया केंद्र स्थापित किए गए हैं। यह केंद्र महाकुम्भ जैसे विशाल आयोजन में खोए हुए लोगों, विशेषकर बच्चों, को उनके परिवारों से जोड़ने में अहम भूमिका निभा रहा है। सरकार ने न केवल खोया-पाया केंद्र को तकनीकी रूप से उन्नत बनाया है, बल्कि इसमें त्वरित प्रक्रिया, मानवीय संवेदनशीलता और पारदर्शिता का भी विशेष ध्यान रखा गया है। महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालु सरकार की इस पहल की सराहना कर रहे हैं। इस केंद्र ने न केवल परिवारों को राहत दी है, बल्कि उनकी आस्था और सुरक्षा के प्रति सरकार की जिम्मेदारी को भी बखूबी निभाया है।

अधोसंरचना कार्य के चलते सूरत स्टेशन बजाय उधना स्टेशन पर ठहराव।

सूत्र/पमरे - पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के सूरत स्टेशन पर चल रहे अधोसंरचना कार्यों के कारण यात्री रेलगाड़ियों को सूरत स्टेशन के स्थान पर उधना स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। यह बदलाव यात्रियों की सुविधा एवं सुगमता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेलवे से प्रारंभ टर्मिनेट होने वाली पाँच रेलगाड़ियों को सूरत स्टेशन के स्थान पर उधना स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। जिनकी जानकारी निम्नानुसार है।

निम्नलिखित रेलगाड़ियों का ठहराव अब उधना स्टेशन पर होगा:

1. गाड़ी संख्या 02134 जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन प्रारंभिक स्टेशन से दिनांक 10.01.2025 से 07.03.2025 तक उधना स्टेशन पर आगमन / प्रस्थान समय 10:21/10:26 बजे।
2. गाड़ी संख्या 20905 एकतानगर रीवा महामना साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन प्रारंभिक स्टेशन से दिनांक 10.01.2025 से 07.03.2025 तक उधना स्टेशन पर आगमन / प्रस्थान समय 22:50/22:55 बजे।
3. गाड़ी संख्या 20906 रीवा-एकतानगर महामना साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन प्रारंभिक स्टेशन से दिनांक 11.01.2025 से 01.03.2025 तक उधना स्टेशन पर आगमन / प्रस्थान समय 13:35/13:40 बजे।
4. गाड़ी संख्या 22937 राजकोट रीवा साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन प्रारंभिक स्टेशन से दिनांक 12.01.2025 से 02.03.2025 तक उधना स्टेशन पर आगमन / प्रस्थान समय 22:50/22:55 बजे।
5. गाड़ी संख्या 22938 रीवा-राजकोट साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन प्रारंभिक स्टेशन से दिनांक 13.01.2025 से 03.03.2025 तक उधना स्टेशन पर आगमन / प्रस्थान समय 13:35/13:40 बजे।

यात्रीगण कृपया असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारंभ करें।

दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025 की प्रथम बैठक।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025 की प्रथम बैठक श्री अनिल कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व रेलवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में श्री सौमित्र मजूमदार, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इसके अलावा, मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा खड़गपुर कारखाने के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी भी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित हुए। इस बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे पर हो रहे राजभाषा कार्यों की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिसपर अमल किया जाएगा। मुख्यालय सहित सभी मंडलों एवं खड़गपुर कारखाने में हिंदी कार्यशालाओं का नियमित रूप से आयोजन करने के लिए महाप्रबंधक महोदय ने सराहना की। ऐसी कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने का भी निर्देश दिया। चक्रधरपुर मंडल द्वारा केवल अहिंदी भाषियों के लिए अलग से हिंदी वाक् प्रतियोगिता आयोजित की गई, यह एक सराहनीय कार्य है। मुख्यालय के सभी विभाग अगली तिहाई तक 50% टिप्पणियां हिंदी में करें। बैठक में श्री विजय कुमार वर्मा, कार्यालय अधीक्षक (HRMS), आद्र मंडल द्वारा iGOT (IGOT) विषय पर एक पावर प्वाइंट की प्रस्तुति दी गई। बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री पी. सी. डांग, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने किया।

महाकुंभनगर स्थित सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी में गणतंत्र दिवस पर उमड़ी अवलोकनार्थियों की भीड़

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभनगर स्थित सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी में गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी के अवलोकन हेतु हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं एवं जनसामान्य ने प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद मंत्रालय के द्वारा क्रियान्वित की गयी प्रदर्शनी की भूरि भूरि प्रशंसा की। प्रदर्शनी मे स्थित डिजिटल सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेने के लिये लोगों में काफी उत्सुकता रही विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों में। डिजिटल सेल्फी प्वाइंट के साथ साथ प्रदर्शनी स्थल मे स्थित समुन्द्र मंथन के प्रतीकात्मतक स्टैच्यू की प्रशंसा श्रद्धालुओं द्वारा की जा रही है और वह उसके साथ सेल्फी भी ले रहे हैं। महाकुम्भ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं जन सामान्य के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा त्रिवेणी रोड स्थित परेड ग्राउण्ड में इस डिजिटल प्रदर्शनी का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक के लिये किया गया है। एकता का महाकुंभ में आयोजित इस प्रदर्शनी के माध्यम से भारत सरकार की विगत दस साल की उपलब्धियों, लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी लोगों को प्रदान की जा रही है। श्रद्धालुओं द्वारा इस डिजिटल प्रदर्शनी की सराहना करते हुए प्रदर्शनी को ज्ञानवर्धक और लाभप्रद बताया। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से जन सामान्य को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, नमो ड्रोन दीदी, लखपति दीदी, वेव्स, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री आवास योजना, विद्याँजली, आत्म निर्भर भारत, स्किल इंडिया, एक भारत श्रेष्ठ भारत, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आजाद भारत के तीन नये कानून, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ साथ नारी सशक्तिकरण की योजनाओं तथा विभिन्न अन्य योजनाओं की जानकारी दर्शकों और जन सामान्य को मिल रही है।

“महाकुंभ में रेलवे आपका सहयात्री,
श्रद्धा की राह को बनाए सरल और सुगम।”

महाप्रबंधक की अध्यक्षता में संरक्षा की समीक्षा बैठक आयोजित।

सूत्र/पमरे - पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण को-आर्डिनेशन रिव्यू मीटिंग का आयोजन हुआ। बैठक में विशेष रूप से स्टेशन पुनर्विकास, कैपिटल एक्सपेंडिचर (कैपेक्स), फ्रेट लोडिंग, और ओरिजिनेटिंग रेवन्यू बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, की-परफॉर्मेंस इंडेक्स (KPI) के सभी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया और जीएसटी (गतिशक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल) तथा पीएफटी (प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल) के विकास पर विचार किया गया। साथ ही, गुड्स ट्रैफिक में सुधार और ट्रेनों की संरक्षा पर भी चर्चा की गई। बैठक में यह भी सुनिश्चित किया गया कि रेल कर्मियों को सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता मिले और ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन पर ध्यान दिया जाए। महाप्रबंधक ने रेलवे प्रोजेक्ट्स और स्टेशन रिडवलपमेंट के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने संरक्षा और सुरक्षा के संबंध में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध सुधारों पर जोर दिया। इसके अलावा, तीनों मंडलों को कैपिटल एक्सपेंडिचर का अधिकतम उपयोग करने और गुड्स ट्रैफिक में सुधार के लिए निरंतर निगरानी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

महानिरीक्षक/रे.सु.ब. को राष्ट्रपति पुलिस पदक

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री ए.एन. सिन्हा, महानिरीक्षक/रे.सु.ब./उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज को गणतंत्र दिवस, 2025 के अवसर पर विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। श्री सिन्हा को इससे पहले 2012 में सराहनीय सेवा के लिए भारतीय पुलिस पदक और 2009 में माननीय रेल मंत्री द्वारा उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 1989 में संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित होने के बाद उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में सेवा की है। अपनी सेवा के दौरान, रे.सु.ब. में उन्हें पूरे भारत में तैनात किया गया था- असम में लामडिंग और तिनसुकिया, आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम, पश्चिम बंगाल में खड़गपुर, तेलंगाना में हैदराबाद और सिकंदराबाद, कर्नाटक में बेंगलुरु, चेन्नई में अतिरिक्त मुख्य सुरक्षा आयुक्त, कोंकण रेलवे/महाराष्ट्र में महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, बिलासपुर में महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/छत्तीसगढ़। लामडिंग डिवीजन में कई अपराधी, जो बुक की गई खेप की चोरी में शामिल थे, सीधे उनकी व्यक्तिगत देखरेख में की गई छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए थे। 1994 में, जब उनके पूर्ववर्ती को चरमपंथी संगठन, उल्फा द्वारा धमकी दी गई थी, तब उन्हें तिनसुकिया डिवीजन में स्थानांतरित कर दिया गया था। लेकिन उन्होंने साहसपूर्वक बल का नेतृत्व किया और नागालैंड के दीमापुर रेलवे स्टेशन पर एक ऑपरेशन के दौरान 250 से अधिक गोलियां बरामद कीं। मंडल सुरक्षा आयुक्त ध्वाल्टेयर के रूप में 1996-2000 की अवधि के दौरान, चोरी के मामले एक वर्ष में 500 से अधिक मामलों से घटकर एक वर्ष में 50 से भी कम हो गए। बेंगलुरु और खड़गपुर मंडलों में श्री सिन्हा ने रेलवे भूमि से कई अतिक्रमणों को हटाने में योगदान दिया, जिससे कई करोड़ रुपये की भूमि बचाई गई। बिना किसी बड़ी हिंसा की घटना के दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में, श्री सिन्हा ने छत्तीसगढ़ के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस के साथ प्रभावी ढंग से समन्वय किया। फिलहाल अधिकारी प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान रेलवे क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने में लगे हुए हैं।

बनारस रेल इंजन कारखाना ने 124 इलेक्ट्रिक लोको बोगियों का निर्माण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया

पिछला रिकॉर्डः नवंबर 2022 में 104 लोको बोगियों का निर्माण हुआ था

सूत्र/रे.स.ब्यू- बनारस रेल इंजन कारखाना की ट्रक मशीन शॉप ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए जनवरी 2025 में अब तक की सर्वाधिक 124 इलेक्ट्रिक लोको बोगियों का निर्माण किया है। यह न केवल बरेका की उत्पादन क्षमता को दर्शाता है बल्कि इसकी उच्च गुणवत्ता और तकनीकी उत्कृष्टता को भी प्रमाणित करता है। इससे पूर्व, नवंबर 2022 में सर्वाधिक 104 लोको बोगियों का निर्माण किया गया था। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में 31 जनवरी 2025 को प्रातः 11:00 बजे बरेका के महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह ने ट्रक मशीन शॉप पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और इस बोगी को राष्ट्र सेवा में समर्पित किया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्षगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी परिषद के सदस्य एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह ने इस शानदार उपलब्धि के लिए टीएमएस शॉप की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहाः ''बरेका लोको उत्पादन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। यह उपलब्धि भारतीय रेलवे के आत्मनिर्भर भारत मिशन को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।'' वर्ष 2022 में 104 लोको बोगियों का निर्माण हुआ था, जबकि जनवरी 2025 में 124 लोको बोगियों का निर्माण कर नया रिकॉर्ड स्थापित किया गया। यह नया कीर्तिमान बरेका के समर्पित अधिकारियों, कर्मचारियों की कड़ी मेहनत से यह संभव हुआ है।

''ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारका एवं शिर्डी यात्रा'' के लिए रवाना होगी आईआरसीटीसी की भारत गौरव पर्यटक ट्रेन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है, जो दिनांक 25.03.2025 को रीवा शहर से ''ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारका एवं शिर्डी यात्रा'' के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन मध्यप्रदेश के रीवा, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, इटारसी, रानी कमलापति, शुजालपुर, इंदौर, देवास, उज्जैन एवं रतलाम स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे। 10 रातें/11 दिनों की इस यात्रा में द्वारका, सोमनाथ, त्र्यंबकेश्वर, शिरडी, भीमाशंकर एवं घृष्णेश्वर के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इसके लिए यात्रियों को रु. 20,700/- प्रति व्यक्ति (SL) - इक नामी श्रेणी), रु. 34,600/- प्रति व्यक्ति (3AC स्टैण्डर्ड श्रेणी) एवं रु. 45,900/- प्रति व्यक्ति (2AC - कम्फर्ट श्रेणी) किराया देना होगा। आईआरसीटीसी, इस सर्व समावेशी टूर की पेशकश कर रहा है, जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक्त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में टूर एस्क र्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है। इच्छुक पर्यटक इसकी बुकिंग आईआर सीटीसी की वेबसाइट www.irctctourism .com पर ऑनलाइन और अधिकृत एजेंट से भी करा सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी और बुकिंग के लिए आईआर सीटीसी के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेलवे स्टेशन कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

दानापुर मंडल के शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रदर्शनी सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू- दानापुर मंडल के स्थापना के 100 वर्ष पूरा होने पर मंडल की ऐतिहासिक विरासत एवं विकास यात्रा को याद करते हुए इससे रेल उपयोगकर्ताओं को अवगत कराने हेतु दिनांक 31.01.2025 को जगजीवन स्टेडियम में दानापुर मंडल का शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया । इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री जयंत कुमार चौधरी, अपर मंडल रेल प्रबंधक/दानापुर (ऑपरेशन) श्री आधार राज सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, रेलकर्मी उपस्थित थे। साथ ही पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह, भूतपूर्व महाप्रबंधक एवं मंडल रेल प्रबंधक तथा अतिथिगण उपस्थित रहे । इस अवसर पर दानापुर मंडल के 100 वर्षों के ऐतिहासिक सफर को बेहद ही खूबसूरत और रोचक अंदाज में संजोए एक फोटो प्रदर्शनी लगाया गया जिसका महाप्रबंधक एवं अतिथियों ने अवलोकन किया। फोटो प्रदर्शनी में दानापुर मंडल के स्थापना, उपलब्धि, इतिहास, विकास यात्रा, सुविधाएं सहित 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को प्रभावशाली रूप से दिखाया गया। ''ऑनरिंग द पास्ट'', ''सेलेबरेटिंग द प्रजेंट'' तथा ''इंस्पायरिंग द फ्यूचर'' शीर्षक से तीन भागों में आकर्षक विडियो भी प्रस्तुत किया गया । इस ऐतिहासिक अवसर महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज का यह अवसर हम सभी के लिए गर्व, प्रेरणा और संकल्प का प्रतीक है। दानापुर मंडल की राष्ट्र सेवा के 100 वर्षों की इस ऐतिहासिक यात्रा को संजोते हुए हम इसकी उपलब्धियों, सफलताओं को याद कर रहे हैं। इस ऐतिहासिक अवसर महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज का यह अवसर हम सभी के लिए गर्व, प्रेरणा और संकल्प का प्रतीक है । दानापुर मंडल की राष्ट्र सेवा के 100 वर्षों की इस ऐतिहासिक यात्रा को संजोते हुए हम इसकी उपलब्धियों, सफलताओं को याद कर रहे हैं । दानापुर मंडल भारतीय रेलवे में उत्कृष्टता के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। स्थापना के बाद से, इस मंडल ने भारतीय रेलवे के विकास में अपनी विशेष भूमिका निभाई है। यह मंडल केवल रेलवे की प्रगति का ही नहीं, बल्कि देश के सामाजिक-आर्थिक विकास का भी साक्षी रहा है । 100 वर्षों की इस यात्रा में दानापुर मंडल ने कई ऐतिहासिक पड़ाव पार किए हैं। यात्री सुविधाओं में सुधार हो, संरक्षा मानकों की उन्नति हो या माल परिवहन में नए आयाम स्थापित करना हो, इस मंडल ने हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है

अंतरिक्ष से दिखा महाकुम्भ का विहंगम नजारा

गंगा नदी के तट पर रौशनी से जगमगा रहा दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम

सूत्र/रे.स.ब्यू- विश्व के सबसे बड़े धार्मिक और मानवीय आयोजन महाकुम्भ मेला को सिर्फ जमीन से ही नहीं बल्कि अंतरिक्ष से भी कैप्चर किया जा रहा है। इंटरनेशनल स्पेस सेंटर (आईएसएस) ने अंतरिक्ष से महाकुम्भ की आश्चर्यचकित कर देने वाली तस्वीरें कैद की हैं। इन तस्वीरों में महाकुंभ मेले का अद्भुत नजारा देखने को मिला। इसमें गंगा नदी के तट पर दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम रौशनी से जगमगा रहा है। इन तस्वीरों को आईएसएस से एस्ट्रोनॉट डॉन पेटिट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है।

अद्भुत नजारा

महाकुम्भ दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है, जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगा नदी में डुबकी लगाकर आध्यात्मिक शांति प्राप्त करते हैं। अब तक 13 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम स्नान कर इस सुखद और धार्मिक अनुभूति को महसूस कर सकें हैं तो वहीं यहां से आ रही तस्वीरों को देखकर पूरी दुनिया विस्मित है। अंतरिक्ष से ली गई ये तस्वीरें महाकुम्भ को लेकर पूरी दुनिया का ध्यान खींचने वाली हैं। डॉन पेटिट ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) से खींची गई तस्वीरों में 2025 के महाकुंभ मेले का अद्भुत नजारा देखने को मिला। गंगा नदी के तट पर दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम रौशनी से जगमगा रहा था।

डोनाल्ड रॉय पेटिट ने साझा की तस्वीर

अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और केमिकल इंजीनियर डोनाल्ड रॉय पेटिट, जो अपनी कक्षा में खगोल-फोटोग्राफी और इनोवेशन के लिए मशहूर हैं, ने इन तस्वीरों को खींचा। पेटिट अंतरिक्ष में बनाई गई पहली पेटेंटेड वस्तु ''जीरो जी कप'' के आविष्कारक भी हैं। पेटिट विगत 555 दिनों से आईएसएस में हैं और 69 वर्ष की आयु में नासा के सबसे वृद्ध सक्रिय एस्ट्रोनॉट हैं।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन, संरक्षा एवं यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने पर बल

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा 30.01.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गयी। इस बैठक में महाप्रबंधक द्वारा यात्री सुविधा, रेल संरक्षा सहित पूर्व मध्य रेल पर चल रहे आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गयी। बैठक में पावर प्वाईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से उपलब्धियों एवं किये जा रहे कार्यों की जानकारी तथा निर्धारित लक्ष्य से महाप्रबंधक को अवगत कराया गया । महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्री सुविधा, सुरक्षा, संरक्षा आदि के संबंध में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेल परिचालन में संरक्षा नियमों के शत-प्रतिशत अनुपालन का निर्देश दिया और कहा कि संरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिये। निर्माण परियोजनाओं की कार्य प्रगति की मॉनिटरिंग के साथ-साथ उसमें तेजी जाने तथा नई योजनाओं के कार्यान्वयन में नई तकनीक के प्रयोग पर भी महाप्रबंधक ने बल दिया।

संविधान लागू होने के अमृत महोत्सव काल में देश के हर नागरिक के लिए **न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व** के मूल्यों को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित कराने वाले नायक **भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर** को कृतज्ञ राष्ट्र का नमन।

"प्रदेशवासियों को लोकतंत्र एवं सामाजिक समता को सर्वोपरि बनाने वाले **76वें गणतंत्र दिवस** की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पर्व हमें अमर सेनानियों के स्मरण के साथ ही बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के बनाए संविधान एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन **'विरासत एवं विकास'** के अनुरूप भेदभाव रहित शक्तिशाली आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए संकल्पित होने की प्रेरणा देता है।"

- योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

भारतीय रेलवे ने बीटा परीक्षण के लिए 'स्वरेल' सुपरऐप का शुभारंभ किया – परीक्षणों के बाद अंतिम सार्वजनिक शुभारंभ होगा

स्वरेल' सुपरऐप कई रेलवे सेवाओं को एकीकृत करता है, ऐप की अव्यवस्था और स्थान के उपयोग को कम करता है

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल मंत्रालय ने दिनांक 31 जनवरी को सुपर ऐप 'स्वरेल' प्रस्तुत किया है, जो आम लोगों को व्यापक रेलवे सेवाएं प्रदान करने वाला वन-स्टॉप समाधान है। वर्तमान में बीटा परीक्षण में, ऐप गूगल प्ले स्टोर और एपल एप स्टोर पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है। ऐप का मुख्य केंद्रबिंदु एक सहज और स्वच्छ उपयोगकर्ता इंटरफेस (यूआई) के साथ उपयोगकर्ता अनुभव को उन्नत बनाना है। यह विभिन्न रेलवे सेवाओं को एकीत करता है, जिससे कई अनुप्रयोगों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और उपयोगकर्ता उपकरणों पर स्थान की खपत में कमी आएगी।

रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) द्वारा विकसित सुपरऐप भारतीय रेलवे के सभी सार्वजनिक-संबंधी अनुप्रयोगों को एक ही स्थान पर एकीकृत करता है। यह ऐप उपयोगकर्ता की कई तरह की आवश्यकताओं को पूरा करता है, जिनमें सम्मिलित हैं:

- **आरक्षित टिकट बुकिंग**
- **अनारक्षित टिकट और प्लेटफॉर्म टिकट बुकिंग**
- **पार्सल और माल ढुलाई संबंधी पूछताछ**
- **ट्रेन और पीएनआर स्थिति पूछताछ**
- **ट्रेनों में भोजन का अश्वर्डर**
- **शिकायत प्रबंधन के लिए रेल मदद**

भारतीय रेलवे का सुपर ऐप शीघ्र ही आम लोगों के लिए जारी किया जाएगा। भारतीय रेलवे द्वारा वर्तमान में अलग-अलग मोबाइल ऐप पर उपलब्ध विभिन्न सेवाओं को यह ऐप एक ही यूजर इंटरफेस में एकीकृत करता है, जिससे सहज नेविगेशन सुनिश्चित होता है।

सुपरऐप की अनूठी विशेषताएं

सिंगल साइन-ऑन-उपयोगकर्ता एक ही पहचान का प्रमाण का उपयोग करके सभी सेवाओं तक पहुँच सकेंगे। इसके अलावा, वही पहचान के प्रमाण मौजूदा भारतीय रेलवे ऐप जैसे आईआरसीटी रेलकनेक्ट, यूटीएस मोबाइल ऐप आदि में प्रयोग किए जाएँगे।

ऑल-इन-वन ऐप - वर्तमान में, आरक्षित और अनारक्षित बुकिंग के लिए अलग-अलग ऐप उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, ट्रेन की आवाजाही और समयसारिणी की जांच करने के लिए एक अलग ऐप की आवश्यकता होती है। ये सभी सेवाएँ अब एकीकृत ऐप के माध्यम से उपलब्ध होंगी।

एकीकृत सेवाएँ - विभिन्न स्रोतों से व्यापक जानकारी को सुसंगत और एकीकृत तरीके से प्रदान करने के लिए सेवाओं को एकीकृत किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, पीएनआर पूछताछ में संबंधित ट्रेन की जानकारी भी प्रदर्शित होगी।

आसान ऑनबोर्डिंग/साइन-अप उपयोगकर्ता अपने मौजूदा रेलकनेक्ट या यूटीएस ऐप पहचान का प्रमाण का उपयोग करके सुपरऐप का प्रयोग कर सकते हैं। उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने और ऐप को आसानी से सुलभ बनाने के लिए साइन-अप प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।

लॉग इन करने में आसानी - उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कई लॉगिन विकल्प प्रदान किए गए हैं। एक बार लॉग इन करने के बाद, ऐप को एम-पिन या बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग करके प्रयोग किया जा सकता है।

उपयोगकर्ता प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित

रेल मंत्रालय उपयोगकर्ताओं को इस बीटा चरण के दौरान सुपरऐप का अनुभव करने और इसके सुधार के लिए बहुमूल्य प्रतिक्रिया देने के लिए आमंत्रित करता है। यह पहल रेलवे उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधा बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सुपरऐप भारतीय रेलवे सेवाओं तक अधिक तीव्र, सरल और अधिक कुशल पहुँच प्रदान करता है। उपयोगकर्ता प्रतिक्रिया और सुझावों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए सीआरआईएस टीम द्वारा सुपरऐप बीटा परीक्षण चरण की बारीकी से निगरानी की जा रही है। गहन मूल्यांकन के बाद, मंत्रालय ऐप के बड़े पैमाने पर शुभारंभ की योजना बनाएगा।

ऐप का प्रयोग कैसे करें

- सीआरआईएस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से ऐप डाउनलोड करें।
- रेलकनेक्ट या यूटीएस मोबाइल ऐप के मौजूदा उपयोगकर्ता अपने पहचान के प्रमाण के साथ सीधे लॉग इन कर सकते हैं।
- नये उपयोगकर्ता न्यूनतम डेटा प्रविष्टि आवश्यकताओं के साथ पंजीकरण कर सकते हैं।

सुपरऐप के बारे में

सुपरऐप एक वन-स्टॉप समाधान है जो भारतीय रेलवे की कई सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करता है, जिसमें आरक्षित और अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म और पार्सल बुकिंग, ट्रेन और पीएनआर पूछताछ और रेल मदद के माध्यम से सहायता शामिल है। ऐप उपयोगकर्ताओं को अपने मौजूदा रेलकनेक्ट या यूटीएस ऑन मोबाइल पहचान के प्रमाण का उपयोग करके प्रयोग करने की अनुमति देता है। एक बार पंजीकृत होने के बाद, इन प्लेटफॉर्म पर समान पहचान के प्रमाण लागू होते हैं। सिंगल-साइन-ऑन सुविधा कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता को कम करती है। पहले लॉग इन पर, टिकट बुकिंग की सुविधा के लिए प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए एक आर-व लेट बनाया जाता है। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप से मौजूदा आर-व लेट स्वचालित रूप से लिंक हो जाते हैं। ऐप एक संख्यात्मक एम-पिन का उपयोग करके एक सुरक्षित और सुविधाजनक लॉगिन विकल्प भी प्रदान करता है। पूछताछ के लिए, उपयोगकर्ता मोबाइल नंबर/ओटीपी के माध्यम से अतिथि के रूप में लॉग इन कर सकते हैं।

महाकुम्भ में आयुष

1.21 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने निशुल्क परामर्श और दवाइयां लीं आयुष स्टॉल अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों के लिए प्रमुख आकर्षण बना

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के लिए आयुष ओपीडी, क्लीनिक, स्टॉल और सत्र प्रमुख आकर्षण का केंद्र बन कर उभर रहे हैं। आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय आयुष मिशन, उत्तर प्रदेश के सहयोग से इस महाकुंभ में आयुष सुविधाओं की एक श्रृंखला की व्यवस्था की है, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय श्रद्धालुओं को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इन सुविधाओं पर 1.21 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने आयुष सेवाओं का लाभ उठाया है। महाकुंभ में आयुष टीम में 20 ओपीडी में 80 डॉक्टर शामिल हैं, जो चौबीस घंटे लगातार चिकित्सा सेवाएं प्रदान करते हैं। ये ओपीडी कई तरह की सामान्य और पुरानी बीमारियों को ठीक करने के लिए सुसज्जित हैं। विदेशी श्रद्धालु भी ओपीडी परामर्श सहित आयुष सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। इसके अलावा, संगम क्षेत्र और सेक्टर-8 में निर्धारित शिविरों में सुबह 8 बजे से 9 बजे तक प्रतिदिन चिकित्सीय योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका नेतृत्व आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) के प्रशिक्षकों द्वारा किया जा रहा है। इन सत्रों में अंतरराष्ट्रीय भक्तों की भागीदारी स्थानीय और वैश्विक जनता के बीच आयुष सेवाओं में बढ़ती रुचि और विश्वास को दर्शाती है। इन पहलों का उद्देश्य आयुष चिकित्सा पद्धति और औषधीय पौधों आदि में हुई प्रगति के बारे में भक्तों को जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना है। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) ने औषधीय पौधों की रचनात्मक प्रदर्शनी लगाई और इन पौधों के सामान्य लाभों सहित इनके बारे में जानकारी साझा करने के लिए विशेषज्ञों को भी तैनात किया। भक्तों को इन पौधों को उगाने के संभावित वित्तीय लाभों के बारे में भी बताया गया और निशुल्क पौधे भी वितरित किए गए। महाकुंभ में आयुष नोडल अधिकारी डॉ. अखिलेश सिंह ने कहा, ''हमारी टीम न केवल रोगियों का इलाज करती है, बल्कि उन्हें औषधीय पौधों की आर्थिक क्षमता के बारे में भी बताती है। हमारा उद्देश्य उनकी खेती को बढ़ावा देकर लोगों के स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ उनके लिए आजीविका का स्रोत भी बनाना है।''

बुजुर्गों की देखभाल और निशुल्क दवा वितरण

महाकुंभ में आयुष टीम ने इम्युनिटी बूस्टर और कैल्शियम की गोलियों सहित दवाओं के निशुल्क वितरण की भी व्यवस्था की है। बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के आयुष मंत्रालय के जारी प्रयासों के अनुरूप, महाकुंभ में आयुष टीम बुजुर्गों की सुविधा के लिए समर्पित है और उन्हें आयुष सेवाएं प्रदान कर रही है। अब तक लगभग 45 प्रतिशत लाभार्थी बुजुर्ग आबादी के सदस्य हैं। आम बीमारियों और उनके आयुष उपचारों पर जानकारीपूर्ण पर्चे भी वितरित किए जा रहे हैं।

जम्मू तवी रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरणः यात्रियों की सुविधा और संचालन में सुधार के लिए बड़ा कदम।

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा आधुनिकीकरण प्रोजेक्ट कर रहा है। इसका उद्देश्य यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी और संचालन में सुधार करना है। भविष्य में, जम्मू तवी रेलवे स्टेशन जम्मू-कश्मीर घाटी में ट्रेन संचालन को और बेहतर तरीके से संभालने के लिए तैयार होगा। जम्मू तवी यार्ड के आधुनिकीकरण के लिए शुरू किया गया काम 6 मार्च 2025 तक पूरा करने की योजना है। यार्ड का पुनर्विकास लगभग पूरा हो चुका है और नॉन-इंटरल किंग का काम भी जल्द खत्म हो जाएगा। यार्ड का यह काम जम्मू तवी स्टेशन के पुनर्विकास का एक चुनौतीपूर्ण और कठिन काम था, लेकिन इसके पूरा होने के बाद स्टेशन का पुनर्विकास तेजी से होगा। इस बड़े अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 450 करोड़ रुपये है।

जम्मू तवी यार्ड पुनर्निर्माण प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्यः

- वर्तमान में 3 प्लेटफार्मों को बढ़ाकर 7 प्लेटफार्म बनाना।
- चार नए प्लेटफार्मों का निर्माण करना, जो अत्याधुनिक बैलास्टलेस ट्रैक तकनीक से लैस होंगे।
- प्लेटफार्मों पर संचालन को सुचारू बनाना और सफाई सुनिश्चित करना।

वर्तमान में 3 प्लेटफार्म हैं, उन्नयन के बाद 7 प्लेटफार्म होंगे। प्रत्येक प्लेटफार्म पर धोने योग्य एप्रन होंगे, जो स्वच्छ वातावरण में योगदान देंगे।

यात्री सुविधाओं में सुधारः

- दो नए 12 मीटर चौड़े फुटओवरब्रिज का निर्माण, ताकि यात्रियों को आसानी से प्लेटफार्मों तक पहुंच मिल सके।
- सातों प्लेटफार्मों को जोड़ने के लिए 72 मीटर चौड़ी एयर कॉन्कोर्स का निर्माण, जिससे प्लेटफार्मों के बीच सुगम आवाजाही होगी और यात्री प्रवाह में सुधार होगा।
- नरवाल साइड पर 4,500 वर्ग मीटर का नया स्टेशन बिल्डिंग बनाए जाने की योजना।
- मुख्य स्टेशन बिल्डिंग का उन्नयन कर उसे 15,600 वर्ग मीटर की आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा।
- सिग्नल कंट्रोल रूम को नए भवन में स्थानांतरित किया जाएगा।

क्षमता में वृद्धिः

- धुलाई पिट लाइनों की संख्या 3 से बढ़ाकर 5 की जाएगी, जिससे अधिक ट्रेनों को संभालने की क्षमता बढ़ेगी।
- चार और स्टेबलिंग लाइनों के निर्माण से जम्मू तवी स्टेशन की क्षमता बढ़ेगी, जिससे अधिक ट्रेनों का संचालन हो सकेगा।
- ट्रेनों का शंटिंग करना और भी आसान होगा।
- इस उन्नयन के बाद पार्सल साइडिंग भी कार्यशील होगी।

ट्रैक लेआउट का आधुनिकीकरणः

- पुरानी मैकेनिकल इंटरल किंग प्रणालियों को उन्नत इलेक्ट्रॉनिक इंटरल किंग से बदलना, ताकि सुरक्षा और दक्षता में सुधार हो सके।

इस आधुनिकीकरण से यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा में महत्वपूर्ण सुधार होगा, संचालन की दक्षता बढ़ेगी, और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान होगा।

04120 प्रयागराज जं.वाया जंघई प्रयागराज जं. रिंग रेल कुम्भ मेला विशेष गाड़ी का 28 जनवरी से 28 फरवरी, 2025 तक संचालन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे प्रशासन द्वारा महाकुंभ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा हेतु 04120 प्रयागराज जं.वाया जंघई प्रयागराज जं. रिंग रेल कुम्भ मेला विशेष गाड़ी का संचालन 28 जनवरी से **28** फरवरी, 2025 तक 32 फेरों के लिए किया जाएगा। 04120 प्रयागराज जं.वाया जंघई प्रयागराज जं. रिंग रेल कुम्भ मेला विशेष गाड़ी 28 जनवरी से 28 फरवरी, 2025 तक प्रयागराज जं. से 13.30 बजे प्रस्थान कर प्रयाग से 13.45 बजे, फाफामऊ से 13.57 बजे, मऊ आईम्मा से 14.42 बजे, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. से 15.30 बजे, सुल्तानपुर से 16.25 बजे, अयोध्या कैंट से 17.32 बजे, अयोध्या धाम से 18.05 बजे, गुसाईगंज से 18.52 बजे, अकबरपुर से 19.20 बजे, शाहगंज से 20.12 बजे, जौनपुर से 20.55 बजे, जफराबाद से 21.10 बजे, मड़ियाहूं से 21.37 बजे, जंघई से 22.40 बजे, भदोही से 23.15 बजे, दूसरे दिन बनारस से 00.10 बजे, माधोसिंह से 01.17 बजे, झानपुर रोड से 01.50 बजे, हंडियाखास से 02.50 बजे, झूसी से 03.17 बजे तथा प्रयागराज रामबाग से 03.32 बजे छूटकर प्रयागराज जं. 04.00 बजे पहुंचेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
SCAN QR
www.railsamacharbureauald.com

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ? कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

RITES Q3FY25 Revenue ₹614 cr; PAT ₹109 cr Declares 3rd Interim Dividend of ₹1.9/share

Source/RSB- Gurugram, January 28, 2025: RITES Ltd. (NSE: RITES, BSE: 541556), the leading Transport Infrastructure Consultancy and Engineering firm, announced its standalone and consolidated financial results for the Quarter ended on December 31st, 2024.

The Takeaways

- Sequential Total Revenue up by 9.3%, from ₹562 crore to ₹614 crore; PAT from ₹83 crore to ₹109 crore
- Highest-ever Order Book of ₹7978 crore; Secured 110+ orders worth ₹1933 crore in Q3, nearly equal to the orders received in the entire FY24
- Third interim dividend of ₹1.9 per share, with Payout Ratio of 96.1%

Q3FY25 Financials (Consolidated)

- Operating Revenue at ₹576 crore
- EBITDA at ₹123 crore with Margins of 21.3%
- PAT at ₹109 crore against ₹129 crore in Q3FY24

9MFY25 Financials (Consolidated)

- Total Revenue stands at ₹1685 crore against ₹1871 crore in 9MFY24
- EBITDA at ₹338 crore with Margins at 21.1%
- PAT at ₹282 crore against ₹359 crore in 9MFY24

Commenting on the results, **Mr. Rahul Mithal, Chairman and Managing Director, RITES Limited,** said, *"This quarter's performance reflects our being able to achieve our targeted objective of making steady progress sequentially, improving in all the parameters."*

Financial Performance in Q3FY25

RITES operating revenue (consolidated), excluding other income, stands at ₹576 crore in Q3FY25 as against ₹683 crore in Q3FY24, a dip by 15.7%. Total revenue is ₹614 crore as against ₹700 crore in Q3FY24. EBITDA and PAT stand at ₹123 crore and ₹109 crore with margins of 21.3% and 17.8%, respectively. Year-on-year, there is a decrease in revenue which is attributed to lesser revenue from quality assurance, a downtick in turnkey and no exports.

Standalone

Operating revenue, excluding other income, stands at ₹545 crore in Q3FY25 against ₹653 crore in Q3FY24. Total standalone revenue is ₹592 crore against ₹678 crore in Q3FY24. EBITDA and PAT, with respective margins of 16.6% and 16.1%, stand at ₹90 crore and ₹95 crore against ₹144 crore and ₹119 crore, respectively, in Q3FY24.

Financial Performance in 9MFY25

RITES operating revenue (consolidated), excluding other income, stands at ₹1602 crore in 9MFY25 as against ₹1810 crore in 9MFY24. Total revenue stands at ₹1685 crore as against ₹1871 crore in 9MFY24. Year-on-year, there is a decrease in revenue on account of a significant dip in revenue from the Export segment, Quality Assurance business and consultancy abroad. EBITDA and PAT stand at ₹338 crore and ₹282 crore against ₹471 crore and ₹359 crore, respectively, in 9MFY24. EBITDA and PAT margins at 21.1% and 16.8%, respectively.

Segmental Performance

The Consultancy business continues to provide the highest revenue to the company and achieved the revenue of ₹280 crore with margins at 34.1%. The fall in Consultancy revenue is attributable to the dip in Quality Assurance revenue. Leasing revenue stands at ₹40 crore, maintaining the margins of 35.9%. Turnkey revenue stands at ₹223 crore and no exports were carried out during the quarter.

Dividend

The Board of Directors has declared the third interim dividend of ₹1.9 per share amounting ₹91.31 crore. The record date for the purpose of payment of dividend is February 1, 2025.

Order Book

The company has secured more than 110 orders (including extension of works) worth more than ₹1933 crore in Q3FY25, thereby achieving the highest-ever order book of ₹7978 crore as on December 31st, 2024.

Outlook

On the growth prospects, **Mr. Mithal** said, *"Securing orders of more than ₹1900 crore in just one quarter, which is nearly equal to the orders received in the entire FY24, underscores our strategy to aggressively march ahead, leveraging our multisectoral strength and maintaining our USP of being a '1 order a day' company."*

IRCON Advances Mission 100% Electrification with Dibrugarh Traction Substation

Source/RSB- IRCON has taken a major step towards Mission 100% Electrification with the successful energization of the 132/25 KV Dibrugarh Traction Substation in the Tinsukia Division of North East Frontier Railway. Alongside this, a 9 km long 132kV transmission line was commissioned on January 30, 2025. This milestone strengthens sustainable and eco-friendly railway infrastructure, significantly reducing carbon emissions. The electrification drive aligns with Indian Railways' commitment to a greener future, enhancing operational efficiency while minimizing environmental impact.

Hazrat Nizamuddin-KSR Bengaluru Rajdhani Express Gets Additional Halt at Yadgir

Source/RSB- Train number 22692 Hazrat Nizamuddin-KSR Bengaluru Rajdhani Express now has an additional halt at Yadgir Railway Station, enhancing connectivity for passengers. The train was flagged off via video conference by Sh. V. Somanna, Minister of State for Railways (MOSR), marking a significant milestone in improving railway services for the region. The new halt is expected to benefit commuters by providing them with direct access to one of India's premier train services, known for its speed and comfort. The addition aligns with Indian Railways' commitment to enhancing passenger convenience and regional connectivity. Local passengers and railway officials welcomed the decision, expressing gratitude for the improved accessibility and travel options.

RailTel Posts Total Income of Rs 782 Crore in Q3 of FY 24-25 with a Y-o-Y Growth of 16%

Source/RailTel- RailTel anno-unced its Operating Income of Rs. 768 Crore in Q3 of FY 25 with a YoY growth of 15% in its 151st Board Meeting held on 27th January, 2025. The Profit Before Tax (PBT) in Q3 of FY25 is Rs. 90 Crores, as against Rs. 84 Crores in Q3 of FY24, registering a YoY growth of 6%. Total Profit After Tax (PAT) for Q3 of FY25 stands at Rs. 65 Crore, as against Rs. 62 Crore PAT of Q3 of FY24. For the nine months (9M) ended on 31/12/2024, the company achieved a Total Income of Rs 2222 Crore and a Total PAT of Rs. 186 Crore, registering a 26% and 10% YoY growth, respectively. The com-pany has received an "exce-llent" rating from DPE in MOU evaluation for FY23-24. Talking about the results, *Shri Sanjai Kumar, Chairman and Mana-ging Director of RailTel, said, "In its 25th year of journey, RailTel had another quarter of strong performance with consistent growth in operational revenue and profits. With a robust order book, we are well-positioned to make a significant contribution to the nation's expanding digital landscape and create value for our investors."*

CONCOR Achieves Record-Breaking Performance in Nine-Month Period Ending December 2024

Source/RSB- Container Corporation of India Ltd. (CONCOR) has delivered an exceptional performance for the nine-month period ending December 31, 2024, achieving its highest-ever financial and operational milestones.

- ***Revenue from Operations: ₹6,582.00 crore – the highest ever recorded.***
- ***Profit After Tax (PAT): ₹969.84 crore – a new peak.***
- ***Throughput: 3.75 million TEUs – setting a record.***

These remarkable achievements reaffirm CONCOR's commitment to providing seamless, sustainable, and efficient logistics services while creating value for its customers and share-holders. The company continues to strengthen its position as a leader in multimodal logistics, driving growth and innovation in the sector.

Electrification work Begins on Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Corridor

Source/NHSRCL- The electrification work for the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train corridor has begun, with the first two steel masts erected on the viaduct at a height of 14m from the ground level in between Surat-Bilimora Bullet Train Stations in Gujarat. In total, over 20,000 masts, ranging from 9.5 to 14.5 meters in height, will be installed along the corridor. These masts will support the Overhead Equipment (OHE) system, including overhead wires, earthing systems, fittings, and associated accessories, forming the complete 2x25 kV overhead traction system for the MAHSR corridor suitable to run Bullet train. Promoting Make in India policy, these OHE masts conforming to Japanese standard design and specifications are manufactured in India and would support the overhead traction system for high-speed trains.

महाकुंभ मेले में भारतीय रेल की अनोखी प्रदर्शनी

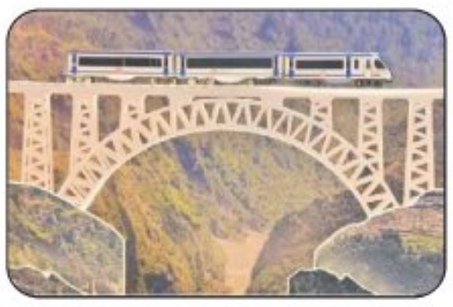

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ मेले में भारतीय रेल द्वारा एक अनोखी प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें रेलवे की विरासत और विकास को प्रदर्शित किया गया है। चिनाब और पंबन ब्रिज के शानदार मॉडल प्रमुख आकर्षण हैं, जो रेलवे इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता दर्शाते हैं। इसके अलावा, ऐतिहासिक लोकोमोटिव, आधुनिक ट्रेनों के मॉडल और भारतीय रेल की यात्रा को दर्शाने वाले दुर्लभ चित्र भी प्रदर्शित किए गए हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक ने अस्पताल में बांटे फल और उपहार

सूत्र/रे.स.ब्यू- गोरखपुर के ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय में 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर ने मरीजों को फल एवं उपहार वितरित किए। इस दौरान उन्होंने मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गणतंत्र दिवस की भावना को समर्पित इस आयोजन में रेलवे अधिकारियों व चिकित्सालय स्टाफ ने भी भाग लिया। महाप्रबंधक ने रेलवे द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा भी की और मरीजों को बेहतर सेवाएं देने का आश्वासन दिया।

सुरक्षा भी, सेवा भी! रेलवे कर्मयोगियों की महाकुंभ में अनवरत सेवा

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ 2025 में भारतीय रेलवे के कर्मयोगी वृद्ध यात्रियों की सहायता के लिए सतत सेवारत हैं। स्टेशन परिसरों में विशेष हेल्पडेस्क, व्हीलचेयर सुविधा और मार्गदर्शन केंद्र यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित कर रहे हैं। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और रेलवे कर्मचारी यात्रियों की सुरक्षा व सहायता में जुटे हुए हैं, जिससे कुंभ नगरी में यात्रा सुगम और सुरक्षित बनी रहे। सेवा और सुरक्षा के प्रति यह समर्पण यात्रियों के लिए संजीवनी बन रहा है।

महाकुंभ यात्रियों के लिए विशेष दिशा-निर्देशः निर्धारित स्टेशन से ही करें यात्रा

दिशा	गाड़ी मिलने का स्टेशन
विन्ध्याचल, मिर्जापुर, चुनार, चोपन, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. (मुगलसराय), बक्सर, पटना, गया, राँची, जसीडीह, आसनसोल, हावड़ा, पुरी की ओर	प्रयागराज जं.,नैनी, प्रयागराज छिवकी
शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट, महोबा, झांसी, ग्वालियर, बीना, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, इटारसी, भोपाल, रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, नागपुर, कल्याण, मुम्बई की ओर	प्रयागराज जं., नैनी, प्रयागराज छिवकी
सिराथू, फतेहपुर, कानपुर, पनकी धाम, इटावा,टूण्डला, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू की ओर	प्रयागराज जं., सूबेदारगंज
ऊँचाहार, रायबरेली, लखनऊ, हरदोई, बरेली, सहारनपुर, हरिद्वार, ऋषिकेश, जंघई, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ़, अयोध्या, गोंडा, बहराइच की ओर	प्रयाग, फाफामऊ जं.
ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, मऊ, भटनी, गोरखपुर, बलिया, छपरा की ओर	प्रयागराज रामबाग, झूंसी

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ में आने वाले यात्रियों की यात्रा को सरल और सुगम बनाने के लिए गंतव्य के अनुसार निर्धारित स्टेशन से ही यात्रा करने की व्यवस्था की गई है। इससे यात्रा अधिक व्यवस्थित और भीड़ नियंत्रण में सहायक होगी। महाकुंभ के दौरान रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि श्रद्धालु सुनियोजित और सुरक्षित यात्रा का अनुभव कर सकें।

के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों/श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अन्य क्षेत्रीय रेलवे के सहयोग से निम्नलिखित महाकुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः

उत्तर मध्य रेलवे नेटवर्क से होकर गुजरने वाली महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	चलने का दिन	संचालन की तिथि	*उत्तर मध्य रेलवे के स्टेशनों पर ठहराव
06207	मैसूरू	16:30	दानापुर	10:00	शनिवार	15 फर.,01 मार्च 2025	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर,चुनार
06208	दानापुर	01:45	मैसूरू	15:00	बुधवार	19 फर., 05 मार्च 2025	
05611	कामाख्या	05:30	टूण्डला	19:20	गुरू., शनि.	25 जन.,08 व 22 फर. 2025	मिर्जापुर, प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा
05612	टूण्डला	03:00	कामाख्या	17:45	शनि.,सोम.	27 जन.,10,24 फर. 2025	
05811	नाहरलगुन	14:30	टूण्डला	06:30	गुरू., शनि.	25 जन.,08,22 फर. 2025	
05812	टूण्डला	11:20	नाहरलगुन	05:50	शनि.,सोम.	27 जन.,10,24 फर. 2025	
03220	प्रयागराज	22:35	पटना	09:15	रवि.,सोम.	25 से 27 जन. 2025 08 से 10,16 से 18, 22, 24, 25, 27 एवं 28 फर. 2025	चुनार, मिर्जापुर, विन्ध्याचल, मांडा रोड, मेजा रोड, नैनी
03689	गया	02:20	प्रयागराज	10:10	मंगलवार		
03690	प्रयागराज	11:00	गया	18:45	गुरूवार		
09371	डा.अंबेडकर नगर	13:45	बलिया	19:15	बुधवार एवं शनिवार	25.01.2025 08 एवं 22.02.2025	ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी फतेहपुर, प्रयागराज जं. मिर्जापुर, चुनार
09372	बलिया	23:45	डा.अंबेडकर नगर	05:30	गुरूवार एवं रविवार	26.01.2025 09 एवं 23.02.2025	
09031	उधना	06:40	गाजीपुर सिटी	18:05	शुक्रवार एवं रविवार	16.02.2025	
09032	गाजीपुर सिटी	00:30	उधना	12:45	रविवार एवं मंगलवार	18.02.2025	
09029	विश्वामित्री	08:35	बलिया	19:00	सोमवार	17.02.2025	
09030	बलिया	23:30	विश्वामित्री	10:05	मंगलवार	18.02.2025	
09019	वलसाड	08:40	दानापुर	18:00	मंगल. बुध., गुरू., शुक्र., शनि.,रवि.	25 जन., 08,15, 19,26 फर. 2025	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, चुनार
09020	दानापुर	23:30	वलसाड	09:30		26 जन. 09,16,20, 27 फर. 2025	
09017	वापी	08:20	गया	19:00	सोम.,मंगल.,बुध. शुक्र.,गुरू.,शनि.	07,14,18 एवं 22 फर.2025	
09018	गया	22:00	वापी	10:00	रवि.,मंगल.,बुध. गुरू.,शुक्र.,शनि.	25 जन., 08,15,19,23 फर. 2025	
09413	साबरमती	11:00	बनारस	14:45	शुक्र.,गुरू.,सोम. शनि.,बुधवार	05,09,14 एवं 18 फरवरी	आगरा फोर्ट, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज जं.
09414	बनारस	19:30	साबरमती	00:30	गुरू.,बुध.,शनि., शुक्र.,मंगल.,	06,10,15 एवं 19 फरवरी 2025	
09555	भावनगर टर्मिनस	05:00	बनारस	14:45	बुध.,गुरू., सोम	16 एवं 20 फरवरी 2025	
09556	बनारस	19:30	भावनगर टर्मिनस	05:00	गुरू.,सोम., शुक्र.	17 एवं 21 फरवरी 2025	
09421	साबरमती	10:25	बनारस	14:45	रविवार एवं गुरूवार	26 जन.2025	
09422	बनारस	19:30	साबरमती	01:25	सोम., शुक्र.	27 जन. 2025	
09591	वेरावल	22:20	बनारस	14:45	शनिवार	22.02.2025	
09592	बनारस	19:30	वेरावल	09:00	सोमवार	24.02.2025	
09537	राजकोट	06:05	बनारस	14:45	गुरू.,शनि.,बुध. शुक्र.,रवि.,गुरू.	06,15 एवं 19 फरवरी 2025 07,16 एवं 20 फरवरी 2025	
09538	बनारस	19:30	राजकोट	04:10			
09403	अहमदाबाद	21:15	जंघई	03:00	सोम.,मंगल.,बुध. गुरू.,शुक्र.,शनि.	05,14,15,18,19 एवं 26 फर.2025	
09404	जंघई	08:30	अहमदाबाद	18:00	रवि.,सोम., गुरू.,शुक्र.,शनि.	07,16, 17,20,21, 28 फरवरी 2025	
08425	भुवनेश्वर	12:30	टूण्डला	20:15	बुधवार	05,19,26 फर. 2025	मिर्जापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा
08426	टूण्डला	03:00	भुवनेश्वर	07:00	शुक्रवार	07,21,28 फर. 2025	
08417	पुरी	12:30	टूण्डला	20:15	सोमवार	17 फरवरी 2025	
08418	टूण्डला	03:00	पुरी	09:45	बुधवार	19 फरवरी 2025	
08314	टिटिलागढ़	17:00	टूण्डला	02:30	गुरूवार	06,20,27 फरवरी	
08313	टूण्डला	05:00	टिटिलागढ़	11:00	शनिवार	25 जन. 08,22 फरवरी 01 मार्च 2025	
08530	विशाख-पट्टणम	17:35	पं. दीन दयाल उपा.	04:30	गुरूवार	06,20,27 फरवरी 2025	मानिकपुर प्रयागराज छिवकी मिर्जापुर चुनार
08529	पं. दीन दयाल उपा.	20:10	विशाख-पट्टणम	03:25	शनिवार	25 जन. 08,22 फर. 01 मार्च 25	
08562	विशाख-पट्टणम	22:20	गोरखपुर	20:25	रविवार	16 फरवरी 2025	
08561	गोरखपुर	14:20	विशाख-पट्टणम	12:15	बुधवार	19 फरवरी 2025	
06005	कन्याकुमारी	20:30	गया	01:30	सोमवार		
06006	गया	23:55	कन्याकुमारी	03:50	गुरूवार		
06021	कोच्चुवेली	14:00	गया	01:30	मंगलवार	04 फरवरी	
06022	गया	23:55	कोच्चुवेली	10:15	शुक्रवार	07 फरवरी	
06001	चेन्नई	14:20	गोमतीनगर	14:15	बुधवार	05,19,26 फर. 2025	
06002	गोमतीनगर	03:45	चेन्नई	23:55	शनिवार	08,22,26 फर.,01 मार्च 2025	
06003	कन्याकुमारी	20:30	बनारस	21.50	सोमवार	17.02.2025	
06004	बनारस	18:05	कन्याकुमारी	21:00	गुरूवार	20.02.2025	
06007	कोच्चुवेली	14:00	बनारस	21:50	मंगलवार	25 फरवरी,	
06008	बनारस	18:05	कोच्चुवेली	23:55	शुक्रवार	21, 28 फरवरी 2025	

नोटः रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

141/25 FA

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in